भारत सरकार

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1438

(दिनांक 26.07.2022 को उत्तर देने के लिए)

दूरदर्शन का पुनरुत्थान

1438. डॉ. पोन गौतम सिगामणि:

श्री सुनील दत्तात्रेय तटकरेः

श्रीमती सुप्रिया सदानंद सुलेः

डॉ. अमोल रामसिंह कोल्हे:

डॉ. सुभाष रामराव भामरेः

श्री जी. सेल्वमः

श्री कुलदीप राय शर्माः

श्री गजानन कीर्तिकरः

श्री धनुष एम. कुमारः

श्री डी. एन. वी. सेंथिलकुमार एस.:

श्री सी. एन. अन्नादुरई:

श्रीमती मंजुलता मंडल:

क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या देश के अधिकांश लोग अभी भी समाचार और अन्य मदों के लिए आकाशवाणी और दूरदर्शन पर विश्वास करते हैं और सरकार द्वारा इस विश्वास को बनाए रखने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं;

(ख) क्या दूरदर्शन चैनल और आकाशवाणी गुणवत्तापूर्ण कार्यक्रम प्रस्तुत करने में विफल रहे हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या सरकार ने दूरदर्शन चैनलों और आकाशवाणी के विभिन्न कार्यक्रमों की सामग्री और गुणवत्ता की समीक्षा की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) इस संबंध में पाई गई कमियों का ब्यौरा क्या है और दूरदर्शन चैनल/आकाशवाणी-वार कार्यक्रमों में क्या सुधार किए गए हैं?

(ङ) क्या दूरदर्शन और आकाशवाणी को इसकी विषय-वस्तु में सुधार करने और अधिक दर्शकों को आकर्षित करने की आवश्यकता है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(च) क्या सरकार का राजस्व में वृद्धि और अधिक विज्ञापन प्राप्त करने हेतु बेहतर गुणवत्ता वाली सामग्री प्रसारित करने के लिए दूरदर्शन और आकाशवाणी का पुनरूत्थान करने की योजना है तथा यदि हां, तो इस संबंध में और क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर
सूचना और प्रसारण; और युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री
(श्री अनुराग सिंह ठाकुर)

(क) से (च): आकाशवाणी और दूरदर्शन अपने प्रामाणिक, सटीक और विश्वसनीय समाचारों के लिए जाने जाते हैं। वे गुणवत्तापरक कार्यक्रमों का प्रसारण करते हैं जिन्हें श्रोताओं/दर्शकों द्वारा व्यापक रूप से सराहा जा रहा है। अतीत में स्वतंत्र एजेंसियों द्वारा बार-बार किए गए सर्वेक्षणों ने सिद्ध किया है कि लोगों को इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में आकाशवाणी और डीडी न्यूज़ दोनों पर सबसे ज्यादा भरोसा है।

आकाशवाणी और दूरदर्शन दोनों ही गुणवत्तापूर्ण सामग्री के लिए प्रतिबद्ध हैं। आकाशवाणी और दूरदर्शन द्वारा प्रसारित कार्यक्रमों की गुणवत्ता की नियमित रूप से समीक्षा की जाती है और तदनुसार लक्षित ऑडियंस की आवश्यकताओं, रुचियों और आकांक्षाओं के अनुसार सामग्री को संशोधित किया जाता है। आकाशवाणी और दूरदर्शन दोनों को नियमित रूप से पत्र, ईमेल और सोशल मीडिया के माध्यम से ऑडियंस से फीडबैक प्राप्त होता है। सोशल मीडिया हैंडल के माध्यम से दर्शकों की प्रतिक्रिया और बीएआरसी से प्राप्त व्यूअरशिप डेटा ने प्रसार भारती को बेहतर सामग्री निर्माण के लिए कार्यनीति बनाने में सहायता की है। आकाशवाणी और दूरदर्शन अपनी सामग्री को बेहतर बनाने तथा नए कार्यक्रम और धारावाहिक शुरू करने के लिए कई कदम उठा रहे हैं।

*****